

Scanned with
CamScanner

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ गौरीश्वर्यदु
वनश्रयकर ७ यठजिप्रियायठव
ठीतिठिठेठकाय ॥ मवायदुःपम
मनायदुःपम ७ यठकायकालदुः
नायनमः शिवाय ॥ ७ ॥ भवेसुरकु
भतिठभमायिनेदुभापतिदुभति
मेवु ७ उमे ॥ विदुमहदुभतिमदुका
भरुनिचउरगायनमनुपधिते ॥
ठिकनेलविदुनभुनिदुभतिप्रमे
उमः ॥ उपश्रयायिउभुश्रलजम
भरुश्वर ॥ ७ ॥ कयपेधलभजभु
उगमेकजलभुम ॥ ठकाठवनि

भयभृशं कुरुमहे सुग ॥ ५ ॥ ठह
 वनविठैरेदभृह विणयके
 उमे मनीयभनभृशं कुरुमहे सु
 ग ॥ ५ ॥ विधयेरगमधुभृरेणयि
 इलिउभृम ॥ लेठमेनमिमजभृ
 शं कुरुमहे सुग ॥ ७ ॥ हृममनि
 लयनपठवभृठयपङ्कग ॥ कपा
 मसीनमिउभृशं कुरुमहे सुग ॥
 मधुभृनभुमिउभृमेधुभानिडिउ
 भृम ॥ मनापभृणगात्रपशं क
 रमहे सुग ॥ ३ ॥ मंभरपममठ
 ववृनपीदिउभृमेनचुकरविध

सि
 भु
 ३३

मधुनिपातिष्ठु ॥ कभादिष्ठुठव
 गगपिलीठउभुमीनभुमेऊरु
 यंपरलेकनष ॥ ७ ॥ मीनेभि
 ठङ्गउभेभिठयाऊलेभिमङ्ग
 मउहृडिकगऊलमेउनेभि ॥
 गगामिदेधनिकरैद्यापगीरउ
 भिमहृदिमोमनियमैःपरिव
 लिउेभि ॥ १० ॥ एकाएवीरुम
 लभाउपेदिउेभिनिहृभयेभु
 मगलेभुमभल्लुभेभि ॥ सुमा
 निगडुमपिसागिकयादिउेभि
 नभेभिपुपमुपउमगउगेभि

ननु तेभिर्विना भूभिर्मनुभिर्मप
 तेष्वियैः ॥ ठवावुपमंगेभिर्किं
 इतं भवनादभि ॥ ०१ ॥ यमिना
 भिमलपापीयमिनाभिठयादि
 उः ॥ यमिनेन्द्रियमनुभुङ्क्तेः स
 रत्नमम ॥ ०२ ॥ सुतेमद्रुमेना
 वृष्टुतेनवः रूपपरः ॥ उच्यते
 वयेदेतः कषेनावनपादिभे ॥
 ०३ ॥ अकलयामुनपलभुव
 गंभिमभृगुवैभिनावनरुति
 वनरात्रवद्वैः ॥ अहृष्टेयदिम
 यांजनयेनमेदं वृत्तपरंकषयैः

मि.
 भे.
 ०३

[illegible]

वमगेभिनिगम्येभिभयेभि
 दुःपाणलणेपडिडेभिममे ॥
 मडेभिभेफपातेनभभाकडे
 भिद्वंयदुमुदुमरंभभपाग
 डेभि ॥ ३॥ सुमिपातुंनिभये
 भिदुमुठवकदमे ॥ ५भीरु
 पयामभेपादगेलिदूरधुभा ॥
 ३० ॥ सुदभेठवठीउधुठगवा
 दलगिरः ॥ उषऊरयषकुयेन
 का०डेठवापयः ॥ ३३ ॥ भभयस
 अविलपुंठजिनीनेऊमेलंभलि
 नवभनगाइनिनुंपापमीले ॥

नि.
 सु.
 ३२

रविण्डकुण्डितं रगिनं ५५५ः
पिपलणनपरिदुतं रकभं भव
मजे ॥ ३३ ॥ उपवेदिमरदेभि
भववभुभिभवमः ॥ ३४ ॥ वगवंभु
५५५वेदिमरकभं मर ७५५ ॥ ३५ ॥
एउभुएयभानभुगठभुभुपिम
दिनः ॥ ३६ ॥ भकुउरकुलेएयम
भुउमैवउ ॥ ३७ ॥ मङ्गरभुमयेठ
ऊः मातुः भुदुतभानमः ॥ ३८ ॥ उषं
भभुममेठं कुयएयनिणमनि
३९ ॥ नभङ्गरदिभंयुऊंमिव
इकरद्वयभा ॥ ४० ॥ लिङ्गवउउय

भृमलं उभृणी विउभा ॥ ३१ ॥ य
 इउं य इरिष्टा भिउकु चं नभय दउ
 भा ॥ इया दउं उठल उकु भवपर
 भेसुर ॥ ३५ ॥ यरु कर पम उधु
 भद्रा की नं मय सुउभा ॥ भयारु भे
 न विष्टु पुं कभृउं पर भेसुर ॥ ३७ ॥
 राण भृम भाण र विरु भ प्रप सुले
 रु भे लि भृली ने पष्टे मिउ नील म्भ
 भवनी ठा वउं रे रुभः ॥ भृम रु
 रा भृम गी रा न भन भेध प्र मेध धिउं
 कं भभं भन प्र भ कं उर वउं मं मे वकी
 न रुनः ॥ ३८ ॥ उठि मील कं वगी ठ

मि.
 ३५
 ३५

मत्तकभं प्रतिभा ममभं नं रे एक
 गलतभा विनिर्दि ॥ मद्ग रमेव
 नमि तु नगी रे की ध ॥ ठ र व म जि ।
 द्येभि ॥ ५ ॥ उद्ग भुं रे ठ व
 द्यभं विस्ती णि उ म रि उ द्ग रि उ भि
 भः ॥ म्दुयभा उ क क द्ग पि म ।
 म्दुयभं मे सु न र उ वि ठ भि ॥ ५ ॥
 प्रे मि उ म्दु वि रे ठ भ गी मिः प्रे कि उ
 वि प्र प म्दु म्दु ॥ ठ व प म्दु
 उ नि ठ र प्र ले द्ग द्ग म्दु नि नि च
 उ भे मि ॥ ५ ॥ भान भ गी म्दु म्दु य
 म्दु व ले म्दु म्दु म्दु म्दु य वि ण डी ॥

ठ
 भु
 ५

नमस्तस्मैवमभस्तुमन्त्रेभ्यःपरा
उच्यतेमन्त्रि ॥ १ ॥ मन्त्रमेव
मित्रनपीरेकीधन्वन्तरेवमन्त्रिभ्यो
भि ॥ मन्त्रमन्त्रिभ्योवृत्तमन्त्र
उपेठवत्पविणयि ॥ गवकमा
भूपराभुत्तमित्रभुत्तमित्रि
चित्रिगभा ॥ ३ ॥ चित्रिगाय
त्रिष्टुतिगायन्त्रिभ्योमन्त्र
गवन्त्र ॥ इष्ट्रिभ्योभ्यःमन्त्र
नमेकंमन्त्रमन्त्रिभ्यःमन्त्र
भा ॥ ७ ॥ वन्त्रमन्त्रिभ्यो
मन्त्रमन्त्रिभ्योवृत्तमन्त्र

गे॥ येन विदुः उवमममपमम
यति एति एति एनमृदयालः ॥०॥

उतिमृठिनवगुपमादविगमिउं
ठैरवभुइंमभुलभा ॥॥

तिनमःमिवाय॥

तिनगमृदगायस्तिमनयठम
दृगगायमद्वृगाय॥ मृवादिमृ
वयमिगभुगयउमैनकायन
मःमिवाय॥०॥ भाउंगममभुग
दृय॥ यममभुगीवा॥ एनमि
उय॥ इलेहनषायपुगउक
यउमैभकायनमःमिवाय॥३॥

मि
भु
३१

मिवाभाषभृणविकभनायमर्क
भृयल्लभृविनामनाय ॥ मद्रुकवै
मृनरलेमनायउम्भमिकगयन
भःमिवाय ॥ ३ ॥ वभिषुजभेठ
वगेउभायभुनिद्रुविहृयगिगीष
गय ॥ मीनीलकठयवधप्रए
यउम्भवकगयनभःमिवाय ॥ ४ ॥
यल्लभृपयएएगयपिनाक
रुभयभनाउनय ॥ निहृयउ।
दूयनिगल्लनयउम्भयकगय
नभःमिवाय ॥ ५ ॥ उतिमिवप
कृकभुंभभुल्लभा ॥ ॥ ॥ ॥

तिनमः सिवाय ॥ तिकारं विद्म
 यज्ञं निहं यत्रिये गिनः ॥ कर्म
 मे कर्म मेव तिकारं तु न भाभृत् ॥ १ ॥
 न एते न भूते यश्च कये यश्च न विद्म
 उ ॥ न भूति मेव ताः भवेन कारं तु न
 भाभृत् ॥ २ ॥ भूत्मे वे भूत्मे
 कर्म भूत्मे न पश्यन् ॥ भूत्मे
 पश्यन् मे वे भूत्मे न भाभृत् ॥ ३ ॥
 सिवाद्दुर्गते न भूति मि व मा भूत्मे
 निवृत्तयः ॥ स भूत्मे न पश्यन् निमि
 कारं तु न भाभृत् ॥ ४ ॥ वाभने
 वृत्ते यश्च भूत्मे न पश्यन् ॥

वामे मज्झिमे वं वकारं तु न भामृ
 रुमा ॥ ५ ॥ य इ य इ म्भित्ते मे वा भव
 वृषि भले मुरः ॥ ये गु रु भव मे वा
 नं यकारं तु न भामृ रुमा ॥ ७ ॥ १२
 वे ध रु कारं मे इ यः पठे म्भिव भवि ते
 भमृत्ते भव पाप हृ मि व ले कं भग
 म्भुति ॥ १ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

तिनभः मिवाय ॥

त्रिगले कलि उ क लि भ भू क ए उ रु
 ग ल भू ले वि ना ए उ र ए ए रु रं मि र
 मि पा मि प धे रु रु ॥ उ म्भित्ते उ क
 प ल कं ए य न भी धि म रु मि उ ॥

द्विपाएनमत्रकलंकिमपिणभ
 वरुभरु ॥०॥ वधेपरिपरिभूर
 द्रुवलणभणभमियाऊवैरगिरि
 गेरिभधवलगवनिवभनं ॥ ऊ
 मिदुनरुभकमेपमिउऊऊभेर
 द्विउंगएणिविगणिउं व. लिनठ
 द्रुगीएठए ॥१॥ उदिदुरविलेम
 नश्यविभदुरएठिधकलकर
 कलकरवृत्तिकरलमारुत्रिमं ॥ वि
 कभितएएवीविदुरलं द्रुवधे
 लभउगभउगदिनीउरलमुदुभी
 रुभरु ॥२॥ विदुध-भुगपगमु

मि.
 भि.
 १७

मिडगलवालावलीवलहलमीक
गधकरभेकभंवविडा ॥ भद्रेभुरभुर ॥
सूभभूरिउमझलभझगीनिभझल
छलधमनभभदउदुयादिये ॥ ४ ॥
विदयकभललयविलभिडनवि
दुत्रलीविदभुनपदुनिमविदरलवि
पडंभनः ॥ कपदिनिऊभदुगीरभल
पदमुदभलेकलीडापलीठवकुगदि
मझलिब्रझलि ॥ ५ ॥ ठवठवनमद
लीलठिउमझिमदठिभूदमुऊद
केदिठिमभवममिठिदुयेडे ॥ ठए
भठवमडिकंधुदतिभेदपेमासिकी ॥

三

१ षडिष्टुः ॥ भृङ्ग उरुगन्धिनीउ
एज्जीर्कै एवमत्रयेमिवद्विवा नि
मेठवठवानि प्रपणः ॥ ७ ॥ इमी
यभ्रवादिनी विमलवारिणा व
लक्ष्मणा नगादिनी भतिरियं ।
भभाभूमतु ॥ उपेत्तमभरितु एवि
एपित्त एवी मंवमतु पश्चिपरिधतु
लाभमलमहिकामभूठे ॥ ०० ॥
उतिगव... रुतंसक रुरमुंम
भुरुमा ॥ उठमा ॥

नवि.
अ.
३०

कलः श्रीकृतिगद्युद्युभुपिनभुद्ध
हृमास्युः ॥ ठणगेविद्धं ॥ ३ ॥ न
गीभुनठरणधननिवेमेरुधुभग
भेदवेमे ॥ १०३ ॥ भवभादिविक
रेभनभिविमारयवरंवरं ॥ ठणगे
विद्धं ॥ ४ ॥ भुग्वेद्विः ५ ॥ भुठउग
इमिबकभभदिउरुः ॥ करउलठि
काकरउलवभभुपिनभुद्धहृमा
धमाः ॥ ठणगेविद्धं ॥ ५ ॥ गष्टक
द्वारिविउकजः ५ ५ ५ ५ विवलि
उपजः ॥ नरुंनरुंनयंलेकंभुपि
किभुजंरुिउमेकः ॥ ठणगेविद्धं ॥ ७ ॥

वसभिगतैकः कभतिकरः मुधुनी
 रेकः कभरः ॥ कीलविउकः परि
 वरः ॥ ३॥ उकः भंभरः ॥ ४॥ एगे
 विरं ॥ १ ॥ यावद्विउधेनभजः
 उवविणपरिवरेरजः ॥ ५॥ पञ्चाश्व
 डिणल्लरमेदेवातुकेपिनधसुति
 गदे ॥ ६॥ एगेविरं ॥ ७॥ एदिले
 भुधितलधुउकेमः कभयंवर
 रुतवद्रवेमः ॥ ८॥ पमृउंनदिपमृति
 लेक उदुगनिभिउरुतवद्रवेमः ॥
 ९॥ एगेविरं ॥ १०॥ गेयंगीउनाभ
 भलभं एयंमीपडिपुपभरभं ॥

गेवि.
 भं.
 ३३

देयंभनमिरुभङ्गनिमित्तं देयंमीन
एयमविडं ॥ ठणगेविडं ॥ ०० ॥
ठगवन्नीड किङ्किङ्गीड गङ्गएल
लवकलि कपेड ॥ येन करिभुग
रेनत्ताभृएणनेनरियडेमत्ता ॥ ठ
एणगेविडं ॥ ०० ॥ पुनगपिएणन
नंभवगपिभरल पुनगपिएणननेए
००रेमयनं ॥ उरुभंभारेवरुडभु
एयपारेपदिभुगरे ॥ ठणगे
विडं ॥ ०१ ॥ किङ्ककभङ्गउउय
उःकभएणननीकेभेड उः ॥ ०२ ॥
पठिठविडभचभरेभचंष्टुभन

विकरं॥ ठणगे विरं ठणगे विरं
गे विरं ठणभुठभउ ॥ ०३ ॥ ॥

उतिमीमङ्कगमद विरमिउंगे
विरं उंमभ्रुभा ॥ ॥

रिं नमः सिवाय ॥ विरं मङ्कगुठ
भननुक बुलपल्लभुं निगिरी
मगिरिले मभले ममभे ॥ ॥ कुउ
धुठीतिठयमेणभभनसभेमा
रुः ॥ पमरुनल्लगमीमरक ॥ ०
लेनीलक ॥ वधठपुणपडुवइ
लेकेममेधवल्लयधममेममव ॥
लेप्रलएपमुपउगिरिल्लपउ

मि.
मु.
३३

भोभंभारदुःपदकनल्लगमीमर
क ॥ ३ ॥ देपाचगीहृदयवल्लठमरु
भोलैकुडापिभरदरशिममपिन
ष ॥ देवाभदेवठवरुपिनाकपा
लभंभारदुःपदकनल्लगमीम
रक ॥ ३ ॥ विष्णुमविष्णुठवनायक
विष्णुपविष्णुकशिकुवनैकगुठ
वम ॥ देविष्णुपकनभयमी
नववेभंभारदुःपदकनल्लग
मीमरक ॥ ४ ॥ देविष्णुपमिव
मद्वरदेवदेवगल्लठरभमनरा
कनरिकेम ॥ वालीभुगवृकरिपे

दरलेकनामभंभारुः।पददनाल्ल
 गमीमरक॥५॥वगलभीपुगप
 उभनिकलकैमवीरेमदकभाप
 कलविठेगलम॥भवल्लभच॥
 हृदाकनिवभनधभंभारुः।प
 ददनाल्लगमीमरक॥७॥मी
 भनदेमरुपभयदेमयाले॥
 देष्टेभकेमिमिडिक॥८॥ग॥पिन
 ष॥८॥भगगगकपालकपा
 लभलभंभारुः।पददनाल्ल
 गमीमरक॥१॥कैलाभपवउ
 निवभनधकपेदेभकुल्लय।

मि.
 भु.
 ३५

शिनयनशिलागत्रिवाम ॥ नगय ॥
प्रियमयभयमजिनासभंभर
दुःपदकनल्लगमीमरक ॥ ३ ॥
गेमीविलभकुवनयभकेसुगय
पद्मनयमर ॥ गउकल्लम
य ॥ मवयभवणगउभपिप
यउम्मेरुगिदूदुःपदकनयन
भःमिवय ॥ ॥ ७ ॥ ॥ सुठं ॥

ॐतिमिवभेइंभपुं ॥

तिनभःमिवय ॥ तिदिलेगनेठभ
रुउवलेपनेशिल्लपानिमिमि
पदमोपरभा ॥ भुगभुवचिउ

पारुपदुण्णेनपुष्टीनपुलभत्रिम
 द्दग्भा ॥ ० ॥ मित्रेमुठंमत्रुभगीव
 निद्रलेविहुंभुठंनिद्रभनत्रुभद्व
 यभा ॥ भद्रेश्वरंकेमववभवाभि
 हुंनपुष्टीनःपुलभत्रिमद्दग्भा ॥ ३ ॥
 दग्भंभगीपुभद्रसलेमनेइलेके
 नष्टेइपुभत्रुकेपग्भा ॥ ३ ॥ भगीपुठं
 मभ्रुभद्वयंपुष्टीनःपुलभत्रिमद्दग्भा ॥ ३ ॥ भगीपुठं
 भुष्टिभेभुभेभुभमभ्रुविष्टुभ
 त्रिभनयकभा ॥ वेदपुकेभुप
 मद्रुभ्रुगिरिंनपुष्टीनःपु

॥ भक्तिमङ्गरभा ॥ ३ ॥ भुवङ्कभट्ट
 जेभनभयंपरेनिष्ठितुपुंगुल्लेख
 वलितभा ॥ एगदुगनेपरभाङ्कन
 पलेनपुष्टलीनः ॥ भक्तिमङ्गर
 भा ॥ ५ ॥ एएएरेपडमसाङ्कमे
 एरेकपालभालाठउठभङ्कपल
 भा ॥ भुगसिउंपत्रगरदुङ्कनेन
 पुष्टलीनः ॥ भक्तिमङ्गर ॥ ७ ॥
 पित्तभलेनपुष्टित्तभलेनवाभुग
 भुगैचाभपुभुगनेनवा ॥ भक्ति
 उंभउभउगुलेपनेनपुष्टलीनः ॥
 भक्तिमङ्गरभा ॥ १ ॥ भुगदुप

दुष्कवगवरेषुं पगपरेभवगतं
 भगमिवभा ॥ विम्वरुमेदेवरु
 दिउं पगेनपष्टलीनः ५॥ भविम
 करभा ॥ ३ ॥ उभं भुतिंसकरन
 नभकीतिनं भसकितामकिउयो
 मकरलभा ॥ अदेमयेयः प० उ
 एउकिर्यः भयतिभेवं भंसये
 कवेउ ॥ ७ ॥ ८ ॥ उरिसीमक
 गमदविरगिउं मिवाधुकं भगु

रुभा ॥

विम्वगलिउगुलभभमेयभाहुं भ
 कलणगकिउिभं यभाकिरेउभा ॥

मिवा
 धुः
 ३०

उपर उभपरं पगङ्गु उं भउउभरुं
लउेभिगभसङ्गमा ॥०॥ निरवठि
भापभिदिगकएककपिउभुर
रुसउमुपदिगः।पभा ॥नरव
रभनिसेनउेभिगभंवरुभरुं
रमापरालफभुभा ॥१॥ रिदुव
नकभनीयद्रुपभीहंरविमउरुभुर
भीदिउधुनभा ॥ सरलमभनि
सेभुगगभुलेउउनिलयेरभुन
रुनेधुपहु ॥२॥ ठवंविधिनरु
वगिनभठियंरुवभापदेवउरु
वउंरुयलभा ॥ एनरुपमिद

भूकेति नमो विउन यामममं
 निंशपहु ॥ २ ॥ सुविगठवठवि
 नातिमुरंठवविभुपिमुनिठिभ
 देवममु ॥ ठवएलठिभुता
 डिपेउंमरलभरंथुनऊनंशुप
 हु ॥ ५ ॥ गिरिमगिरिभुताभनेनि
 वमंगिरिवरणरिलभीदिउठि
 गभभा ॥ भुवराणनएभुमेवि
 उडिभुवराणनएभुमेवि
 हु ॥ ७ ॥ परणपरणवलिउ
 नेपरगुलकुतिभुउभुभनभन
 भा ॥ परदिउनिउभुनेभुमेहु

ए०.
 ३१

रथवरभभृणलेमनंभृपट्ट॥१॥
भित्तुमिगविकभित्तननले
भृत्तिभृलकंभृगणरङ्गील
भा॥ भित्तलककमकनैरमे
कंरथपतिभीमगुणेनुकंभृपट्ट
॥३॥ करिकमलणमभृत्तुपठे
मभृत्तिविठमिगुलङ्गयन
कतः॥ रविरिवणलप्रतिरेपा
इधुभगपतिभृत्तिपट्टभीमभी
दु॥ ७॥ गतिपतिमउकेदिभृत्त
गगंमउपपगोमरठवनविदु
भा॥ यतिपतिदुदयेभृत्तिवि

कउंरभ्यपतिभातिरंगभ्यं
 हु॥००॥ उह्वंभुवउभुभुभंवे
 हुहुभुभः॥ उवमगसुठहुंउ
 भभविष्टुःपरंपरं॥००॥ गहु
 तियभ्रिंभुंलिपिद्वनियतः
 पठे॥ भयतिभभभभुंयष
 हुंभदगयः॥०१॥ उतिगभ्य
 वठविउंउरसूउवाहुभभउ
 लेद्विगः॥ गभ्यनभभभुभभ्रि
 उःप्रययेवहुभभ्रिउंपरं॥०१॥
 उतिनीपहुगभयउभभरं
 वभंवरंगुएकहुभभ्रिभयः

ल
 भु
 ३३

ममीपइमा ॥

मानवि.
महोपा.
गलममु.
गलममुव.
ठवनीमद
उरुकी
मारिकुमुं
पुनमुंरुय

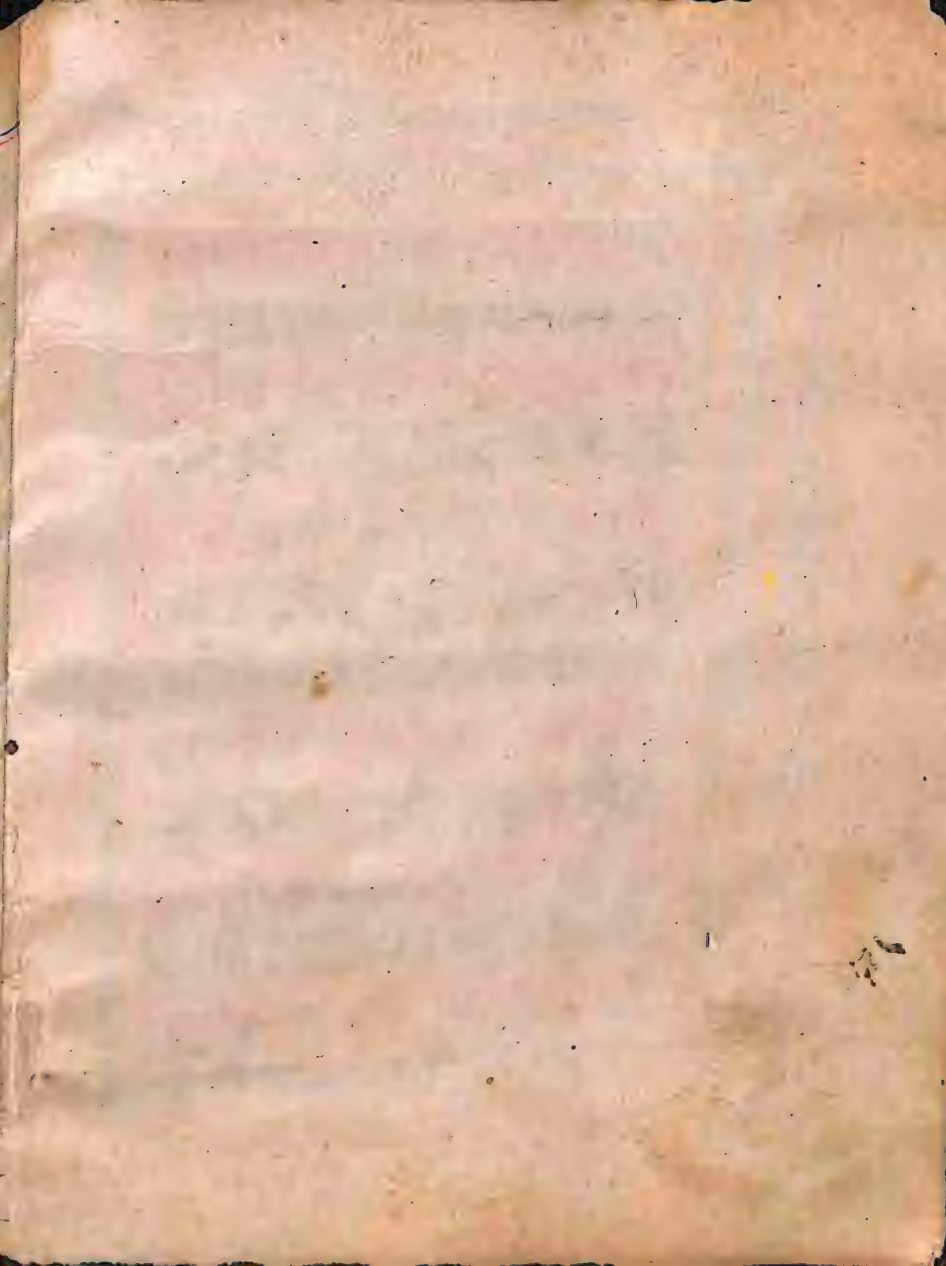
पद्मभवी
भोकरु
मुकमु
नकीमुं

रुद्रभइ
भदिअ.
गोगीपु
ठैवमु
नगैरु
धरुकरु
गनेकलि
ठरणगेवि
दमरुमु
मिवधुका
लएयुमुं

मचंपा०॥
३०॥

विष्णुमदभ
गीता
गभगीता
पादवनी
नगलउप
नगकैता
रुद्रावि
वेरुमुति
रायना
भुननं
कीगभग
मुमुंके
दरिनाभ

मीविभूमदिभंवडा ०७३५ ॥
वेमुति ०३ इयेरुमुं निपिउभा
भवंपा०ः ॥
मुठभमु॥



ममिहृणेभिरेकानेकमनाममिवि
सुममिविसुयुः॥ मवममिमवायु
गकिङ्कः॥ उकिङ्कः॥ उकिङ्कवः॥ उकिङ्कः॥ उ
मरुः॥ उकिङ्कनः॥ उकिङ्कपः॥ उकिङ्कट्टे ॥
उकिङ्कविउचरुङ्कनेरुवभृणीमरु
उियेयेनः॥ उमेमयाग ॥ उकिङ्कपेष्टे उ
रुमेमउचरुङ्कवः॥ उकिङ्कभा ॥ ॥ ॥
उकिङ्कप० उकिङ्कजभुकरुमकेधुनकि
रुमयललाष्टुगुनीलसुउचरु
विधुमिवचुययु० यामेजदग ॥
मवउकिङ्कमरुवांगायशीमिरम ॥
मरु ॥ उकिङ्कप० उकिङ्कयउष्टुलः॥ उकिङ्कय

मःमउसुते॥ एकवतुःप्रकःशुभ
 केद्विगुलमुषा॥ रमकभ्रिगुलःप्रेताःप्र
 वसामि,तिनिजमैः॥ ८॥ सुप्रभायभा
 मभनभा॥ तिभ्रिगुलमभ्रिगुलमभ्रिगुल
 उयप्रमभ्रिगुलःपापेहेरगतं॥ यम
 फापापमकदंभनभावासादमुहं
 पदुभ्रिगुलमिष्टा॥ भ्रिगुलमभ्रिगुल
 भ्रिगुलमभ्रिगुलमभ्रिगुलमभ्रिगुल
 भ्रिगुलमभ्रिगुलमभ्रिगुलमभ्रिगुल
 सुप्रभायभा॥ तिभ्रिगुलमभ्रिगुल
 मभ्रिगुलमभ्रिगुलमभ्रिगुलमभ्रिगुल
 भ्रिगुलमभ्रिगुलमभ्रिगुलमभ्रिगुल

मः
 पः
 ७

साकमुष्टं पदुमदरं मित्रा ॥ गरिभु
मवलभउयडिडिडु रिउंमयीमभक ।
भउयेनेभुदेष्टेडिडिडुदेभिभुअक ॥ ॥
सुषमएकमभनभा ॥ रिभुपः पुनउ
पिषिंवीपिषिंवीपुतापुनउमं पुनउव
कमभडिः वृद्धपुतं पुनउभाभा ॥ य
मडिभुमठेष्टेवायडुमडुगिउंमभ ॥
मवंपुनउभाभापेमउंमपुडिगदेष्टे
भिभुअक ॥ ॥ **सुषमलनभा ॥** सुपे
दिभुभयेकुवः ॥ रिउनउलेष्टणउन ॥
रिमदेरउयमकमे ॥ रियेवः मिवउ
भेरमः ॥ रिउभुठणयउदनः ॥ डिउम

जीविवभारः॥ तिउभाभरुभाभवे॥
 त्रियभृकयायणितव॥ तिमुपेणनयव
 मनः॥ तिदिरववकमुमयःपावक॥
 याभृएतःकमुपेयश्चिः॥ याचयिद
 ठंमणितविदुपाभनमुपःसेभृनठव
 उ॥ त्रियाभेवमिविरुषतिठकुंय
 मुत्रिकैवदणठवति॥ याचयिदठं॥
 त्रियाभेगएवदलेयतिभृमष्टरुउ
 मवपमुदूननाभा॥ याचयिदठं॥
 त्रिमिवेनभामकृषापमुतापःमिवय
 उत्रेपभृमेउडुमेभेभपुदुतः॥ मुमये॥
 यःपावकभनमुपःसेभृनठवउ॥

भे
 पा
 ०

ਤਿਸਤੋਸੇਵੀਗਠਿਧੁਏਸੁਪੇਠਵਤੁਪੀਤਏ॥
 ਸਏਗਠਿਭਵਤੁਨ॥ਤਿਸਤਸੁਪੇਠਵਤੁ
 ਸਤ॥ਮਭੁਤਥਾ॥ਸਤ॥ਮਭੁਤਥਾਸੁਪ॥
 ਸਭੁਨ॥ਮਭੁਤਥਾ॥ਤਿਸੁਪੇਸਭੁਤਥਾ
 ਤਰ॥ਮਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾ
 ਵਿਸ਼ੇਧਿਰਿਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾ
 ਸੁਮਿਰਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾ
 ਤਏਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾ
 ਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾ
 ਤਏਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾ
 ਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾਤਿਸਭੁਤਥਾ

गमभवम् मउममनमः ॥ ५॥ मउउ ॥
 डिमपिउरुहे मकविधंणिधेरमुभृवा ।
 णिनः ॥ मरठिउेभापाकगडू ॥ मउयं ।
 धिउविधउ ॥ डिमूपममिउिडील्ल ।
 लाल्ललील्लिरभृमयणलाउः कि
 पेउ ॥ डिमूपममिविउममानः भिवः
 भ्राहीमलामिव ॥ ५॥ पविइल्लवण्ट
 भापः मुउउमनमः ॥ ७॥ डिमूपममम
 ॥ मउणलभृकंरेणपेउ ॥ डिउह ।
 ल्लमउंसाठील्लउमिणएयउ ॥ उउं
 डिणएयउउउः मभूमिचलवः ॥ मभु
 मलल्लवमपिमवउंरेणएयउ ॥ ॥

मे
 ५०
 ००

[illegible]

भ. ध. ०३

[illegible]

धूम्रमाहुलभा ॥ प्रमथवेमंभवंय ।
 मृदंयसुठवृभा ॥ उताभउदुष्टेमानेय ।
 मत्रेनतिरेकति ॥ तउवनभृमदिभा
 उएयोसुप्रमथः ॥ पामेभृविमृकुता
 निशिपामभृमउदिवि ॥ शिपामेवउ
 म्मिदुमथः पामेभृजठवदुनः ॥ उतेवि ।
 सेवृभमभृमननमनेमठि ॥ उभा ।
 शिराकालयउविगणेमठिप्रमथः ॥
 भएतेमइरिसुउपञ्चामिभमेधरः ॥
 यदुमथे ॥ नविधामेवायल्लभउव ।
 उ ॥ वभतेमभृभीरुष्टंयीधुउप्रः ।
 मरदुविः ॥ उंयल्लेवदिधिभेकदुम

मे.

५०

०३

धनुर्मगतः॥ उनेव सुयणतुमाह
तयस्य॥ उमाहृष्टवक्तुः भं
उं धमहृष्टा॥ पमुं भं सुवेवयह
नरहृष्टा सुवे॥ उमाहृष्टवक्तु
उमः भामनिराहृष्ट॥ सुवेमिरा
हृष्टउमाहृष्टा सुमाहृष्टयउ॥ उमा
महा सुयउयके मेठयउः॥ गावे
निराहृष्टउमाहृष्टा सुयउयः॥
यकुपेहृष्टाः कतिहृष्टकलयउ॥
भापहिमभुकेठकउठुपामउमु
उ॥ सुवेमिराहृष्टा सुमाहृष्टयउ
उः॥ उठुउमभुयके सुः पमुं सुवेव

卷之四

महत्त्वमसु॥ त्रियेनकद्रष्टापमेमनीधि
लियल्लेनव'त्रिविद्वेषधुणीरः॥ यम।
प्रचयुक्तमनुःप्रएनं॥ उक्तमनः॥ त्रिय।
इल्लनभुतमोतेप'त्रिपयल्ले'त्रिरुगभुतं
प्रएभु॥ यम'व'उतेकि'ल्लनकद्र'त्रियते
उक्तमनः॥ त्रियेनं'द्रुतं'ठवनं'ठविधु
दु'रिग'ली'उम'भुत'न'भचं॥ येन'यल्ल'मु'
यते'भ'धु'ते'उ॥ उक्तमनः॥ त्रिय'भि'रु'मः
भ'भ'य'ल्ल'धिय'भि'रु'त्रि'धु'ता'ग'ध'न'ठ
वि'वा'गः॥ य'भि'रु'त्रि'भ'च'भुतं'प्रएनं॥
उक्तमनः॥ त्रि'भु'ध'ग'ध'ि'ग'मु'नि'व'य'म'न
धु'त्रे'नी'य'ते'नी'धु'ठि'वा'णि'न'उ'व॥ ह'ह'

[illegible]

ॐ ॥ ॐ उरुविउरुधुं नमः ॥ वर
 ॐ उलनीं नमः ॥ ॐ नैवेद्यभुभृदं
 नमः ॥ ॐ भद्रिभुनभिकं नमः ॥ ॐ
 येयेनः कनिधुकं नमः ॥ ॐ यैय
 उलकरधुं नमः ॥ ॐ उरुयैः ॥
 भविउरुवेः ॥ वरुं कं ॥ ॐ नैवेद्य
 नैवेद्यभुद्रि ॥ ॐ भद्रिभुनभिकं ॥ ॐ येनभ
 न ॥ यः सक्रमेः ॥ नः ललाटे ॥ ॐ यै
 पात्रमिरभि ॥ ॐ उरुविउः रुमयायन
 भः ॥ वरुं मिरभेभुद्रि ॥ ॐ नैवेद्य
 मिषयैवेधल ॥ ॐ भद्रिभुनभिकं वमाय
 भ ॥ ॐ येयेनः नैवेद्यं वेधल ॥ ॐ यै

[illegible]

त्रिकयेनमः॥ त्रिंशेभीनयनमः॥ त्रिंशेक
मयनमः॥ त्रिनःवगनयनमः॥ त्रिंशुभि
नरुत्रयनमः॥ त्रिंशेभनरुयनमः॥ त्रि
मभुद्रयनमः॥ त्रिंशुपुल्लयनमः॥॥

उ३ः५॥ यमभा॥ शुषएनं॥ त्रिभ
जविभूमभनीलणवलमुयैमुपिभी
कलैदजभिकुनिरुद्रकथजंउद्रु
वरुद्रिकाभा॥ गायत्रीवरुद्रकथज
मकरंमुलेकपालेयुलंमद्रुमभार
विद्रुयगलंरुमुवद्रुतीठल॥॥॥ उ३
गायत्री॥ त्रिंशुगमुवरुद्रकथीकुरेव
द्रुवमिनि॥ गायत्रिमुद्रुमंभाउद्रुये

[illegible]

वडणः॥ उडेधुभुः॥ भगठिहूनम
 नूंमयेनिःऊमेवपहणम॥ लिहूनि
 द॥ कंमैवरुधुःभुःभुकीडिउः॥
 मुनेनभउएएन॥ मुडेनेवाहूनःकये॥
 पल्लिउपापनिवार॥ मुं॥ मीविधुभी
 हूं॥ भनगायरी॥ भविरी॥ भगभुडी
 भीयउंभीउमु॥॥॥ उडेनमभुः॥
 उंमदेवुगवमेहूडेविधुहूमयभभ॥
 वे॥ वहु॥ भभउहूडेगमुदेविनभेमु
 उ॥॥॥ उंनमःभुमुदिमेयावुदेवडाप
 उमुं॥ भउिवभहूडाहूमुनभेनमः॥ नभेव
 उगयेदिमेयावुदेवउं॥॥॥ उंनभेम

सं.
 पा.
 ०३

वि० येदिमेयम् ॥ नमेवतुगयेदिमे ॥
नमः धृतीमुदिमेयम् ॥ नमेवतुगयेदि
मे ॥ तं नमे उमीमुदिमेयम् ॥ नमेवतु
गयेदिमे ॥ तं नम उच्चयेदिमेयम् ॥ ॥ ॥
तं नमे उगयेदिमेयम् ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
तं नमे वृद्धम् ॥ नमे च भूयये ॥ नम पति
त्रे ॥ नम अधणीकः ॥ नमेवसे ॥ नमेवस
भूयये ॥ नमे विधुवे ॥ वरुते नमो भीष्टे
भं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
भलेकता भप्रेति ॥ या वं विदुः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
भणीते ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
भनु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

विष्णुमन्त्रगुह्ये ॥ त्रिविष्टुपमन्त्रगुह्ये ॥
 उम्भुत्तमन्त्रगुह्ये ॥ उम्भुत्तमन्त्रगुह्ये ॥
 मन्त्रगुह्ये ॥ विष्णुः ॥ रुद्रः ॥ ५ ॥
 एतन्त्रिः ॥ देवः ॥ सुतन्त्रिः ॥ वेदः ॥ एतन्त्रिः ॥
 उपेत्तः ॥ सुतन्त्रिः ॥ गन्तुः ॥ उम्भुत्तमन्त्रगुह्ये ॥
 दः ॥ मन्त्रगुह्ये ॥ भावयन्त्रिः ॥ देवः ॥ सु
 मन्त्रगुह्ये ॥ देवगुह्ये ॥ नगः ॥ भावयन्त्रिः ॥
 पचन्त्रिः ॥ मन्त्रगुह्ये ॥ मन्त्रगुह्ये ॥ यन्त्रिः ॥
 मन्त्रगुह्ये ॥ पिसाणः ॥ मन्त्रगुह्ये ॥ रुद्रः
 नि ॥ पचन्त्रिः ॥ वनमन्त्रगुह्ये ॥ एतन्त्रिः ॥
 रुद्रगुह्ये ॥ सुतन्त्रिः ॥ मन्त्रगुह्ये ॥ रुद्रः ॥
 मन्त्रगुह्ये ॥ एतन्त्रिः ॥ पचन्त्रिः ॥ विष्णुगुह्ये ॥

एलाणगः॥ निगणगः॥ पापणगः॥
भवेगः॥ यमः॥ पणगः॥ भट्टः॥
मनुकः॥ वैवश्वतः॥ कलः॥ भवश्वतः॥
दरः॥ लाकुश्वतः॥ नीलः॥ रघुः॥ पर
भेषु॥ कर्कश्वतः॥ ठीमः॥ मिश्रः॥ मिश्र
गुप्तः॥ पामनसुः॥ रुतुतः॥ श्वतः॥ पि
तिः॥ श्वतः॥ ॥ ॥ कर्कश्वतः॥ ॥ ॥
श्वतः॥ पविः॥ पावमानः॥ पाकुश्वतः॥ पुर
दितः॥ उभीमदभजगयभा॥ ॥ ॥
नकमुश्वतः॥ ॥ ॥ भननः॥ श्वतः॥
भननः॥ ॥ ॥ भननः॥ ॥ ॥ कपिः॥
लः॥ वैकः॥ पकुश्वतः॥ भरीमिः॥

३५३

मंकेकुए ॥ वमुणवमुणगमणया
माकभुगीमिव ॥ विण्णं मणयत्ती
मभुत्तिनीमइत्तमिनी ॥ चत्तवत्तीवे
ममत्तिवग्गवरयत्तिनी ॥ मीउला
मभुमीला मवत्तगुत्तवितामिनी ॥
ऊमागीमभुपत्तामत्ता म्माणाकभ
वत्तिता ॥ एत्तत्ता मत्ता मत्ता मत्ता
निवात्तिनी ॥ कभत्तीएवत्तीमत्ता
मत्ता मत्ता मत्ता ॥ भुल्लमात्ता
मत्ता मत्ता मत्ता ॥ मत्ता मत्ता
मत्ता मत्ता मत्ता ॥ मत्ता मत्ता
मत्ता मत्ता मत्ता ॥ मत्ता मत्ता

भुर्यातिनी ॥ भृमृमृदृरमीप्रामीपु
 पवकभतिठ ॥ कपालकृमृक ॥
 लीकपालभालणिली ॥ कपालकृ
 मृलामीमृमिवमृमीधनमृनिः ॥ मि
 द्विद्विद्विमृनिद्विमृमृमृजध्वेति ॥
 नी ॥ कभृगीद्विवभृमीमृमृमृयक
 डलय ॥ एगकृकृकृडलिनीकृण
 गकरमृमृनी ॥ श्लमृमृपृपृमृ
 मृनठिनलमृलिनी ॥ भृलाण
 गनिरमृमृवफिजडडलय ॥
 वायुकडभृपमीननिरणरनि
 रमृय ॥ भृमृमृमृगडिलीवभृ

८.
 म.
 ५३

कृष्णलिङ्गिजंलकीलठुवाभवालयः॥
भुङ्क्तेकेनेउंउंनभामिविनायके ॥
०१॥ यद्गुरुपुंभुनिसयेचिह्नंभलि
भोलिधु॥ सुभारवद्भुभुतेउंनभामि
ग०ठिपभा॥०३॥ वेदभुगीउंभुधं
वरेष्टभठयधुभा॥ निरुद्धंयंभुतः
भुंउमभिमरलंगतः॥०७॥ सद्भि
नरुभेधुलंपगनरुभुपिं॥ निरुलं
निमलेभाकादिनयकभुपेभिं॥३॥
भनपायिरायद्भुंभुतिंभुतिवचनं॥
नभामिभुविह्वनभनंभुतुपिं॥
३०॥ भनभुंभनमेवधियधुंभने॥

रमभा ॥ द्विपवनविठुंभकद्विपयक
 भूपैमिउभा ॥ ३३ ॥ विष्णुभरेश्वरेश्वरुभा
 णरंणगडाभपि ॥ ५५ ॥ भभिगलएकं
 ५५ ॥ उल्लनभिमनभा ॥ ३३ ॥ मिपगेश्वर
 रमादुल्लेभिउंभकभविठभा ॥
 गेकीरणवलाकरं ५५ ॥ भभिगलएव
 भा ॥ ३५ ॥ भनणरंनवाणभनउण
 रंभभिउभा ॥ णउरंमविणउरंउभ
 भिमरंलंगडः ॥ ३५ ॥ भनउरुधिलेक
 दृभनउंविदूभभूठं ॥ ५५ ॥ उदुभनिदं
 धुंनिगलभुंनभभिउभा ॥ ३७ ॥ ५५ ॥
 ५५ ॥ पाडीउंभमभृजलकलं ॥ ५

ग.
 उ.
 ३५

न विलभना करं उभयि सरलंग
३॥१॥ कुडलयेण गष्टे निभवा
वाभेण गदुभा ॥ सुभवे दृभमं वे
दुं वे दृ वे दृ नभा भुदभा ॥१३॥ विष्णु
करभना करं विष्णु करभना भय
भा ॥ भकलं निधुलं निदं निदं निदं न
भा भुदभा ॥१७॥ संभार वे दृं भव
हो भव के धरा के धरा भा ॥ सुदं नं
भमभ सुजं एतं रं धुलभा भुदं ॥१०॥
हृभ एमं भिउं मेवं नमभ एधुगि धि
उभा ॥ हृभ एमी पव दं भुं व के भव भु
भएगं ॥१०॥ हृदु ५ गीक निलये सुद

मङ्गलनिधिर्गमा ॥ उरकउरसंभुनं
 उरकं उंनभाभुलभा ॥ ११ ॥ उरलसि
 नंविक्तुं भवकरलकरलभा ॥
 छजिगभुभदं वरुधुलवधुतिपादि
 उभा ॥ १२ ॥ सुतुदेगरउं दुर्जैः क
 लिउभुभिकभनैः ॥ वरुं वरुं लि
 कभएएनगभुनभाभुलभा ॥ १३ ॥
 ल्लयभल्लयभद्वैउइयीभगं हिले
 मनभा ॥ सुकनं रिधुगउं धियभ
 उंनभाभुलभा ॥ १४ ॥ सुकधियंभु
 गंभुभुभुगएभेवम ॥ सुकन
 भदिउंमउंनभाभिसुकवकुले ॥ १५ ॥

नमोविष्णवेयठकुविष्णविना
मिने॥विष्णवेकयविष्णनेनिरु
इविष्णमकुधे॥३१॥विष्णुइष्ट
ऊनंठऊनंविष्णुगिल॥विष्णु
गयविष्णुयविष्णुमायनमेनमः॥३२
ऊलादिभक्तैलाममिपगुं५
ठदिने॥रुतुठिवाहमालायक
गयउनमः॥३३॥किरीटिनेउ
इलिनेभालिनेगुगिलउम॥३
मेमेल्लीमनायएणिनेवृम
गिल॥३४॥रुदिभुइयमइय
कमइलणयम॥रुदिनेमेव॥

भुङ्गय नभेष्टय नमीलिन ॥ २० ॥ वेर
 एय नयुक्तय भगवत परायण ॥ २१ ॥
 कय गवरिष्टय नभः सिद्धिमाप्ति
 ने ॥ २२ ॥ कपटिने कगलाय मङ्गल
 प्रिय भनवे ॥ भुङ्गय नभेष्टय नमीलिन
 मभग विद्विधाभा ॥ २३ ॥ विगव ॥
 मिठि मिष्टि मिष्टि ग्लौः भंभुङ्गय न ॥
 भुङ्गय नभेष्टय नमीलिन ॥ २४ ॥
 वे ॥ २५ ॥ कृष्ण ॥ ग्लौः भंभुङ्गय न
 ॥ नंभुङ्गय नभः ॥ वद्विष्टगठि
 येव वद्विष्टगठि निवर्ति ॥ २६ ॥
 प्रभुष्टगठि निवर्ति ॥ २७ ॥

ग.
 भ.
 ३०

यम ॥ चक्रलसुमिरुद्विवभुठव
नयम ॥ २० ॥ नमोस्तुवभभुठउम्
भुमठलसुमिरु ॥ ठैरवायभुठीभाय
ठयनकरवायम ॥ २१ ॥ विठीधं
यठीधयनभाठरलठारिल ॥ २२ ॥
भुयभुमठयवउउयवैनमः
२३ ॥ ठैरभुयनभभुठंलभुण०
यम ॥ सुप्रवालयठैवायमेकमउ
यउैनमः ॥ २४ ॥ सुप्रकरुयभुण
यपरसुठठयम ॥ मलिठभुय
ठीगयनमः पामभिपलय ॥ २५ ॥
ठारलयनभभुठंठारलठिगउय

म॥ १०७ ॥ मयजने प्रभुं श्रु
 कृते ॥ १० ॥ प्रह्लादयै उहं प्रह्ला
 दयम ॥ प्रह्लादयै उहं प्रह्ला
 दयम ॥ ११ ॥ विष्णु एकयमक
 यलेक एकयणीभते ॥ कृत एकय
 ठहृयगल एकयवै नमः ॥ १२ ॥ ये
 गपीठतुरभ्रययेगिनं येगणरि
 ल ॥ येगिनं हृदिभंभ्रययेगगभ्रय
 उनमः ॥ १३ ॥ एनयएनगभ्रयमि
 वएनपरायम ॥ ऐयनाभपिऐयय
 नभेऐयउभायम ॥ १४ ॥ मप्रपल
 पादयमभ्रुपिपिण्डिने ॥ नभे

